सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीति अपार्टमेंट, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2026-27

कक्षा:-8	विषय: पाठ्य पुस्तक	पाठ:12 'उठो हिंदी वियोगी! मैम आ गई'

बोलकर (मौखिक प्रश्नों के उत्तर)

(क) लेखक हिंदी पखवाड़े को इसलिए महत्वपूर्ण मानता है क्योंकि इस दिन पढ़ी गई रचनाओं पर उसे पारिश्रमिक मिलता है।

(ख) हिंदी मैम से लेखक का आशय है कि हिंदी दिवस आ गया है, अतः अब हिंदी को सब याद करने लगे हैं। हिंदी को बस अब हिंदी दिवस या पखवाड़े पर ही याद किया जाता है, इसलिए हिंदी दिवस पर हिंदी मैम की याद आ जाती है। अतः हिंदी मैम हिंदी दिवस का प्रतीक हैं।

(ग) लेखक ने अपनी दाढ़ी बढ़ाने का कारण बताया कि "मैम, मेरी दाढ़ी सरकारी हिंदी कार्यक्रमों के शोक में बढ़ी है।"

(घ) लेखक को कवि गोष्ठियों से यह अपेक्षा रहती है कि वहाँ अधिक से अधिक श्रोता आएँ तथा कवि लोग भी एक-दूसरे की कविता को सुनें और सराहें।

लिखकर

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर

(क) लेखक को हिंदी पखवाड़े का सपना इसलिए आता है, क्योंकि उस जैसे हिंदी सेवियों के लिए साल में एक यही तो मात्र ऐसा पखवाड़ा होता है जब हिंदी कविता पेड (सशुल्क) होती है।

(ख) लेखक ने पुराने कपड़ों के माध्यम से यह व्यंग्य किया है कि कवि लोग हिंदी पखवाड़े पर भी पुरानी कविताएँ सुनाकर वाह-वाही लूटते हैं। यहाँ पुराने कपड़े पुरानी कविताओं के प्रतीक हैं।

(ग) इस वाक्य का अर्थ है कि हिंदी कवि की दुर्दशा को बताने की आवश्यकता नहीं है, किसी को कह दो कि यह हिंदी कवि है, इसी वाक्य में हिंदी के कवि की दुर्दशा प्रकट हो जाती है।

(घ) अब समाज में कविता बेकार की चीज़ हो गई है। अब समाज कविता को सुनते, पढ़ते जागता नहीं, सो जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर

(क) सरकारी कवि गोष्ठी का कवियों के लिए यह महत्व है कि एक तो उन्हें ऐसा लगता है कि वे अच्छे कवि हैं, इसलिए आमंत्रित किए गए हैं। दूसरा, उन्हें अच्छा पैसा मिल जाता होगा।

(ख) हाँ, आज की कविता भी समाज को प्रभावित करती है, क्योंकि लोग कविताएँ सुनकर प्रसन्न होते हैं, तालियाँ बजाते हैं, कवि सम्मेलन आयोजित करते हैं। आज भी देशभक्ति की कविताएँ सुनकर लोग जोश में भर जाते हैं।

(ग) 1. वैराग्य वाली दाढ़ी मूँछ को नई कविता वाली लुक दो। हिंदी पखवाड़े में उसके पास नए धुले कुरता पजामा ज़रूर होने चाहिए! इससे उसकी बासी कविता से भी ताज़गी की सुगंध आती है। 2. 'सरकारी हिंदी कार्यक्रमों के शोक में बढ़ी है हिंदी मैम!' मेरा रोना निकल आया।

(घ) लेखक के अनुसार लोग कविता सुनते-सुनते इसलिए सो जाते हैं, क्योंकि अब उन्हें कविताओं में रुचि नहीं रह गई है। वे वास्तव में सोए हुए हैं, उन्हें अब कविता कोई उत्साह नहीं देती। इसलिए कवि कहता है कि अब समाज में कविता बेकार की चीज़ हो गई है। अब समाज कविता को सुनते, पढ़ते जागता नहीं, सो जाता है।

पठित गद्यांश

(क) यहाँ 'पगले' संबोधन का प्रयोग हिंदी मैम, लेखक के लिए कर रही हैं।

(ख) लेखक से मिलने हिंदी मैम आई हैं।

(ग) पखवाड़े वाली हिंदी मैम से आशय है, वह मैम जो सिर्फ हिंदी दिवस पर चल रहे पखवाड़े यानी पंद्रह दिन के लिए ही याद आती हैं।

(घ) 'हिंदी मैम' ने अपने लिए परमादरणीय तथा प्रिय पखवाड़े वाली विशेषणों का प्रयोग किया है।